CASE STUDY OF ORGANIC FARMERS

परिवर्तन प्रकृति का नियम है

परिचयः–

अगर मानव चाहे तो अपने जीवन को वर्तमान परिप्रेक्ष्य के आधार पर प्राकृतिक परिवर्तनों को मध्यनजर रखते हुए अपने जीवकोपार्जन एवं सामाजिक प्राणी होने के नाते हो रहे परिवर्तनों के आधार पर समय को देखते हुए अगर अपने जीवन एवं व्यवसाय में परिवर्तन कर ले तो मानव समाज को एक संतुलित एंव व्यवस्थित पर्यावरण संरक्षण में अपनी महत्ती भूमिका निभा सकता है। यह कार्य हमारे कोटा जिले के निवासी राम निवास राठौर द्वारा किया गया। जिसने क्षेत्र में बचपन से ही खेती में लगा होने के कारण खेती कर बारीकियों की भलीं प्रकार जानने वाले आजीविका अर्जन के लिए पुस्तेनी खेती से नाता जोड़ लिया है।

रेल्वे स्टेशन कोटा जं.से 3 कि.मी. दूरी पर स्थित भदाना रंगपुर रोड कोटा राज. के श्री रामनिवास राठौर पुत्र श्री आनन्दी लाल राठौर शिक्षा –8 वीं कार्य –खेती, निजी व्यवसाय, के साथ इनका लगभग सभी क्षैत्रों में लगाव रहा है , सरल स्वभाव एवं धार्मिक सामाजिक आर्थिक क्षैत्र में अपना समय पूर्णरूप से दिया प्रारम्भ से ही रामनिवास राठौर द्वारा नये नये आयामों के साथ अपनी दिनचर्या को सम्भालकर रखते हुये अपना पारिवारिक स्तर भी अच्छा रखा इनका परिवार शुरू से संघर्षशील रहा है ,इनका संयुक्त परिवार रहा है !

मुख्यकार्य :– खेती ,पशुपालन निजी कार्य

पारिवारिक स्थितिः–परिवार में एक लडकी एवं दो पुत्र है , लडकी का विवाह हो गया है और बडा पुत्र दुबई तेल कम्पनी में इजिनियर के पद पर कार्यरत है और छोटा पुत्र मिनलर प्लान्ट का संचालन करता हे ,

कृषि :– कुल जमीन 28 बीघा नहर सिंचित है !

सामाजिक क्षैत्रः–सचिव, टस्ट भगवान लक्ष्मीनारायण मंदिर भदाना

कोषाध्यक्ष –अभिभावक समिति विद्यालय ,

अध्यक्ष – भदाना जल संगम वितरण समिति

सचिव– किशनपुरा सब ब्रांच कोटा

अध्यक्ष– श्री आनंद विकास संस्थान कोटा

अध्यक्ष – राठौर नवयुवक मण्डल हितेषी संस्था ,कोटा

सामाजिक क्षैत्र में सभी प्रकार के आयोजनों चाहे वो किसी भी प्रकार के हो यह अपना समय जरूर निकालते है ,सामाजिक योजनाओं के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी इनका समय –समय पर सहयोग मिलता है , !

रामकृष्ण शिक्षण संस्थान कोटा द्वारा कट्स इन्टरनेशनल जयपुर के निर्द्रेशानुसार राजस्थान में जैविक उपभोग को बढावा देने के लिए परियोजना के तहत आयोजित होने वाली सभी गतिविधियों में लगभग रामनिवास राठोर ने अपना समय दिया और प्राप्त जानकारियों को अपने साथियों में चर्चा कर वर्तमान की महती आवश्यकता को देखते हुये , और जो संस्था द्वारा विशेषज्ञों के माध्यम से संगोष्ठी एवं भ्रमण कार्यक्रमों के माध्यम से जो जैविक खेती के किये प्रयोंगों का अवलोकन कराया तो रामनिवास राठौर के भी प्रयोंगों को देखते ही मन में ललक

जगी ओर माना कि वास्तव में हम धीरे धीरे कम जमीन में ही इस पुरानी खेती को अपनायेगें तो हमारी प्रेरणा लेकर अपने पडौसी भी जागरूक होगें लगातार परियोजना के विशेषज्ञों से एवं कार्यकर्ताओं से सम्पर्क के आधार पर देशी खाद डाली और 50 किलो वर्मी डालकर फसल तैयार की गई ओर अब लगातार इनके माध्यम से इस एक बीघा जमीन में हर वर्ष यह देशी खेती कर रहे है और इसमें किसी भी प्रकार का पेस्टी साईड रासायनिक उपयोग में नहीं ले रहे है , और इनके साथियों में कालूलाल मालव ,कवरलाल लोधा ने भी इसी प्रकार के प्रयोग किये जिनको इनके माध्यम से और संस्था केजिला पार्टनर युधिष्ठिर चॉनसी द्वारा समय –समय पर प्रेरित किया गया ,

वास्तव में यदि हम जन जन में प्रत्येक किसानों को जागरूक करने का प्रयास करेगें तो अवश्य ही ऐसे बदलाव हमारे लोगों में आने लगे है !

अब तो यह हाल है कि रामनिवास राठौर चाहै संगोष्ठी हो किसी भी प्रकार के आयोजन कार्यशाला ,चोपाल , या दुकान कहीं पर भी बैठै हो तो वतर्मान में हो रही असाध्य बिमारियों एवं बैमौसम बरसात से हो रही अकाल जैसी स्थितियों एवं पर्यावरण में हो रहे परिवर्तनों से होने समस्याओं से अवगत कराते रहते हे !

इनके साथी कालूलाल मालव ने कहा कि यदि हम समय पर नहीं चेते तो वो दिन दूर नहीं जब हमें जमीन पर नहीं पत्थर जैसी भूमि पर कृषि करना पडैगा , जिस धरती में सोना उगता है उसी धरती को हमें बचाना होगा ओर वर्मीखाद ,देशी खाद से तैयार खाद्यान्नों का उपयोग वापिस पुराने जमाने की ओर आना हेागा ! कॅवर लाल लोधा ने भी इनके साथ देशी खाद एवं वर्मी से की गई फसल को केवल अपने परिवार में ही उपयोग में लेने लगे है और आज इनका परिवार बिल्कुल स्वस्थ है !

रामनिवास राठौर ने कम शिक्षा ग्रहण करने उपरान्त भी प्रारम्भ से कडी मेहनत करके आज जो अपना स्थान प्राप्त किया है वास्तव में वो एक मिशाल है एक समय था जब इनके द्वारा एक छोटा सी दुकान द्वारा व्यवसाय प्रारम्भ किया कृषि में पहले नहर सिंचित नहीं थी और लगभग इनके 70 पशु थे जिनको यह स्वयं अपनी सूझबूझ से पालते थे !

पशुओ के डाक्टर के रूप में भी गॉव वालों को इनका अच्छा सहयोग था किसी की भी गाय या भैस बिमार हो तो रामनिवास राठौर के अलावॉ गॉव में कोई डाक्टर नहीं आते यह समय–समय पर टीकाकरण करते एवं इन्होने गोपाल योजना के तहत पशु चिकित्सक के रूप

में प्रशिक्षण प्राप्त किया ओर ग्रामीण जन की सेवा मे अपना सम्पूर्ण समय दिया , क्षैत्र में इन्होने पशुपालन के साथ उनसे प्राप्त दूध से बाजार में बेच कर अपनी जिकोपार्जन का साधन भी बनाया ओर इससे अपने परिवार सामाजिक आर्थिक और शैक्षिक स्तर को उँचा उठाते हुये परिवार को सक्षम एवं समृद्व बनाया इसका परिणाम इनको मिला जो आज इनका बडा बेटा दुबई में अच्छा पेकेज में कार्यरत है , छोटे का स्थानीय स्तर पर निजी व्यवसाय है ,लडकी को एम फील करवा कर शादी करदी है !

आगामी प्रयास एवं अपेक्षाऐं :–

रामनिवास राठौर ने बताया कि मै तो स्वयं कर ही रहा हूँ पर जिस प्रकार से चार चौमा में स्थित जो फार्म नरेन्द्र मालव का देखा उसी प्रकार के सभी प्रकार के संसाधन जुटाने में लगा हुआ हूँ , वर्मी कम्पोस्ट इकाई , सोलर लाईट कनेक्शन ,आदि प्रयोगों को अपनाना लक्ष्य हे ताकि मै मेरा परिवार एवं मेरे साथियों में परिवर्तन ला सकूँ !

इन सभी में जिला पार्टनर युधिष्ठिर चॉनसी एवं सभी विषय सम्बन्धित विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना से लाभ के लिये भी आवेदन किये है , आशा हे सरकार

भी मेरा सहयोग करेगी !

किसी के काम जो आये उसे इन्सान कहते है .....वास्तव में सहीं हे यहीं रामनिवास राठौर का उद्देश्य हे कि अगर हमारे चारों ओर का पर्यावरण एवं वातावरण खान पान ,रहन सहन अच्छा रहेगा तो कल भी हमारा स्वस्थ एवं स्वच्छ रहेगा ! इसके लिये हमें स्वयं को भी प्रयास करने पडेगें !

जहॉ तक कोशिश मेरी यही रहती हे कि मै ज्यादा से ज्यादा लोगों को किसानों एवं उपभोक्ताओं को जैविक उत्पादों के उपयोग एवं उपभोग के सन्दर्भ में बताउ !

अतः आशा ही नहीं पूण्र विश्वोस है कि आगामी वर्षो में लोगों की सोच में बदलाव लाने में सक्षम होगें लेकिन हो अनवरत रूप से इसका संचालन !

में मेरी दिनचर्या के आधार पर अपना समय संस्था एवं इस परियोजना में अनवरत रूप से दे रहा हूँ !

हम सुधरेगें, सब सुधरेगें !!

सभी आशा के साथ